अपनी बात

सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड की पत्रिका

अंक : 489 वर्ष 39

राँची, मार्च, 2015

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक आयोजित

सीएमडी श्री गोपाल सिंह राजभाषा की बैठक में उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए

हमारे अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक श्री गोपाल सिंह की अध्यक्षता में विगत 27 मार्च को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक कोयला कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में निदेशक (तक./संचालन) श्री प्रदीप कुमार तिवारी, मुख्यालय के महाप्रबंधक/विभागाध्यक्ष तथा सभी क्षेत्रों से आये प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

सी.एम.डी., श्री गोपाल सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन में सी.सी.एल. बेहतर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि वैश्वीकरण के दौर में आज अधिकाधिक भाषा सीखने की बात हो रही है। हिंदी हमारी राजभाषा है और इस भाषा में स्पष्टता और पारदर्शिता है। यदि नीतिगत फैसले द्विभाषीय यानि हिंदी–अंग्रेजी में हों तो उसमें ज्यादा स्पष्टता होगी। श्री सिंह ने कहा कि कार्यनिष्पादन के हरेक बिंदु में इस वित्तीय वर्ष में सी.सी.एल. बेहतर पर्दशन कर रहा है और यह सम्मिलित प्रयास से यानि हमारे कर्मियों, सभी स्टेकहोल्डर्स तथा अन्य के सकारात्मक सहयोग से ही संभव हो रहा है। श्री सिंह ने हिंदी में कार्य करने के लिए सभी कर्मियों को प्रोत्साहित किया एवं बधाई दी।

निदेशक (तक./संचा.) ने अपने संबोधन में कहा कि सी.सी.एल. पूरे वर्ष लगातार हिंदी कार्यशाला, निबंध प्रतियोगिता आदि का आयोजन कर राजभाषा में प्रेरित करने वाले कार्य करता है, जो प्रशंसनीय है। उन्होंने राजभाषा में श्रेष्ठ कार्य करने वाले क्षेत्रों तथा मुख्यालय के विभागो को पुरस्कार दिया। विजेता : क्षेत्र में प्रथम : रजरप्पा, द्वितीय : कथारा, तृतीय : कुजू एवं मुख्यालय में प्रथम : भर्ती विभाग, द्वितीय : पेंशन सेल, तृतीय : वन एवं पर्यावरण विभाग।

बैठक में विस्तार से सी.सी.एल. में राजभाषा में किये गये कार्यों की जानकारी दी गई तथा पिछली बैठक में लिये गये निर्णयों की समीक्षा की गई।

होली मिलन समारोह

विगत 05 मार्च को मुख्यालय के विचार मंच में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। लोगों ने एक–दूसरे को गुलाल लगाकर होली की बधाई और शुभकामानाएँ दी।

सीएमडी श्री गोपाल सिंह विचार मंच में कर्मियों को संबोधित करते हुए

सी.एम.डी. श्री गोपाल सिंह ने उपस्थित महाप्रबंधक/विभागाध्यक्ष एवं सी.सी.एल. कर्मियों को होली की बधाई दी। श्री सिंह ने कहा कि सभी त्योहार आपसी भाईचारा, एकजुटता और प्रेरणा देने का काम करते हैं। उन्होंने सभी से सी.सी.एल. को आदर्श परिवार बनाने में अपनी सहभागिता देने को कहा।

मुख्य सत्तर्कता पदाधिकारी श्री अरबिन्द प्रसाद ने सभी उपस्थित लोगों को बधाई देते हुये कहा कि होली के गीत सुनकर गाँव की याद आती है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार होली में भाईचारा ओर भेदभाव भुलाकर सभी होली मनाते हैं, उसी प्रकार कंधे–से–कंधा मिलाकर कंपनी को शिखर तक पहुँचाने में सभी कर्मियों के सहयोग की आवश्यकता है।

महिला कर्मियों ने नारी शक्ति के हौसले को उड़ान दी

श्रीमती प्रमिला सिंह दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का उद्घाटन करती हुई

मुख्यालय के "विचार मंच" में विगत 16 मार्च, 2015 को "अंतराष्ट्रीय महिला दिवस" का आयोजन फोरम ऑफ विमेंस इन पब्लिक सेक्टर (विप्स) के तत्वावधान में किया गया जिसमें नारी शक्ति के हौसलों को उड़ान दी गई। समारोह का आयोजन विप्स सी.सी.एल. की समन्वय तथा सी.सी.एल. की विभागाध्यक्ष (अधिकारी स्थापना) श्रीमती रेखा सिंह के नेतृत्व में किया गया।

समारोह की मुख्य अतिथि सी.एम.डी. सी.सी.एल. की धर्मपत्नी श्रीमती प्रमिला सिंह थी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि आयकर आयुक्त, रांची श्रीमती विस्मिता तेज, निदेशक (वित्त) की धर्मपत्नी श्रीमती रिमी घोष, निदेशक (तक./संचा.), श्री पी.के. तिवारी, सी.वी.ओ. श्री अरबिन्द प्रसाद तथा महाप्रबंधक (का. एवं औ.सं), श्री आर.एस. महापात्र भी उपस्थित थे। समारोह में सी.सी.एल. मुख्यालय तथा सी.सी.एल. के क्षेत्रों में अपने–अपने कार्य में उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करने वाली महिला कर्मियों को श्रीमती प्रमिला सिंह, श्रीमती विस्मिता तेज एवं श्रीमती रिमी घोष द्वारा सम्मानित किया गया।

श्रीमती विस्मिता तेज ने अपने संबोधन में महिला कर्मियों को कार्यक्षेत्र के साथ–साथ आम जीवन में भी निर्भीक होकर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

सी.सी.एल. के निदेशक (तक./संचा.) श्री प्रदीप कुमार तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि महिला कर्मी एकाग्र होकर निपुणता और दक्षता से कार्य करती हैं और कंपनी को प्रगति के पथ पर अग्रसर करने में उनकी अहम भूमिका है।

श्री आर.एस. महापात्र, महाप्रबंधक (कार्मिक एवं औ.सं.) ने अपने संबोधन में कहा कि समाज का उत्थान तभी होता है जब पुरूष और महिला कंधे से कंधा मिलाकर साथ–साथ चलते है। उन्होंने सभी को याद दिलाया कि जहाँ कहीं भी नारी की पूजा होती है, वहाँ देवता का वास होता है।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में महिला कर्मियों के व्यक्तित्व विकास पर कार्यक्रम प्रस्तुत कर महिला कर्मियों को जागरूक किया गया। आयोजन का समापन सी.सी.एल. की महिला अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ। धन्यवाद ज्ञापन सुश्री रश्मि दयाल ने किया तथा मंच संचालन श्रीमती रेखा पाण्डेय ने।

स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

सी.सी.एल. द्वारा सी.एस.आर. कार्यक्रम के अंतर्गत सेमर टोली गाँव में एक निःशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। डॉ. कुमारी उमा एवं डॉ. रागिनी श्रीवास्तव ने शिविर में 89 ग्रामीण बुजूर्गों, बच्चों, महिलाओं एवं पुरूषों के स्वास्थ्य की जांच की एवं निःशुल्क दवाईयों के साथ चिकित्सीय सलाह भी दी।

इस योजना का समन्वय डॉ0 पी0के0 गुप्ता, सी.एम.एस. (सी.एस.आर.) ने किया तथा शिविर को सफल बनाने में पारा मेडिकल कर्मियों का भी सक्रिय सहयोग रहा।

जीवन में सफल होने के लिए साक्षरता और उपाधियाँ होना नहीं, आपका शिक्षित होना अधिक जरूरी है – प्रेमचन्द

सरहुल पूर्व संध्या महोत्सव का आयोजन

"विचार मंच" में विगत 21 मार्च को सरहुल पूर्व संध्या का भव्य आयोजन मुख्यालय सरना समिति द्वारा किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि सी.एम.डी. श्री गोपाल सिंह ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर श्री सिंह ने सी.सी.एल. कर्मियों के साथ–साथ सभी झारखंडवासियों को सरहुल की शुभकामनाएँ देते हुये कहा कि हमारे पूर्वज महान थे जो प्रकृति की पूजा किया करते थे। उन्होंने यह भी कहा कि सरहुल एक पारंपरिक सौहार्द, हर्षोल्लास और सुख–समृद्वि का त्यौहार मात्र नहीं है बल्कि आदिवासियों के प्रकृति प्रेम का और झारखंड की संस्कृति का अभिन्न अंग है।

कार्यक्रम बिगु उरांव एवं पार्टी के अनादि प्रार्थना के साथ प्रारंभ हुआ। सी.सी.एल. सरना समिति के अध्यक्ष, श्री सहदेव बान्डो ने सरहुल पर्व की महत्ता एवं विशेषता पर प्रकाश डालते हुये कहा कि आदिवासी समाज सरहुल पर्व को नव–वर्ष के रूप में मनाते हैं।

सीएमडी श्री गोपाल सिंह कर्मियों को संबोधित करते हुए

सम्पादक : दीपक कुमार, प्रबंधक (जनसम्पर्क) जनसम्पर्क विभाग ● सहायक सम्पादक : जयेश रावल, जनसम्पर्क सहायक, सीसीएल, दरभंगा हाउस, राँची द्वारा प्रकाशित एवं सीसीएल प्रेस, राँची में मुद्रित। (आंतरिक वितरण हेतु)